पाठ 18. अशोक का शस्त्र त्याग

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य अंतर-वैयक्तिक संबंध का कौशल विकसित करना है ताकि वे विभिन्न व्यक्तियों/प्राणियों से सकारात्मक तरीके से जुड़ने की समझ पैदा कर सकें। ऐतिहासिक नाटक 'अशोक का शस्त्र त्याग' में कलिंग के राजा के पकड़े या मारे जाने के बाद उनकी बेटी की बहादुरी का वर्णन किया गया है। लड़कियाँ कितनी बड़ी वीरांगनाएँ हो सकती हैं, इसका जीता-जागता उदाहरण है पद्मा और उसके साथ खड़ी स्त्रियों की सेना। अशोक यहाँ शस्त्र त्याग कर बौद्ध धर्म अपनाते हैं। खून बहाने के खेल से मुक्ति पाते हुए अशोक जीवन के नये और खूबसूरत रास्ते पर चल पड़ते हैं।

पाठ का सार

कलिंग की सेना का बहुत बड़ा हिस्सा वीरतापूर्वक लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हो चुका है। अशोक की बेचैनी नाटक के शुरू में 'विजय' प्राप्ति के लिए है। उसके लिए विजय का समाचार ही, शुभ समाचार है। लेकिन कलिंग की राजकुमारी पद्मा के नेतृत्व में स्त्रियों की सेना से युद्ध करना उसे शास्त्र की दृष्टि से गलत लगता है और वह युद्ध करना छोड़कर पद्मा के आगे स्वयं को अपराधी घोषित करने को तैयार है। पद्मा ने भी शस्त्रविहीन अशोक को क्षमा कर दिया। भारतीय जीवन मूल्य की एक और मिसाल की तस्वीर हमें प्रेरणा देती है। नाटक अपनी पूरी नाटकीयता के साथ हमें इतिहास से जोड़ते हुए भविष्य की राह दिखाता है।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  नाटक के विषय में संक्षेप में बताते हुए नाटक के पात्रों की भूमिका बच्चों को देते हुए उनसे नाटक पढ़वाया जाए।

  बीच-बीच में शब्दों के अर्थ भी बताए जा सकते हैं। सम्राट अशोक के जीवन से जुड़ी अन्य घटनाओं व मानवता के लिए किए गए उनके कार्यों की भी चर्चा करें।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 93** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - शब्दों के भेदों—संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं क्रियाविशेषण से बच्चे परिचित हैं। उन्हें दोहराएँ। वाक्य में इन भेदों की पहचान करने का तरीका भी बताएँ।
  - वाक्य के गठन, उनकी बनावट और उनकी रचना में लिंग-वचन का ध्यान दिलाएँ। अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके समझाएँ।

- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - अशोक के जीवन से जुड़ी घटनाओं की जानकारी इतिहास की पुस्तकों व इंटरनेट के माध्यम से एकत्र करने में सहायता करें।
  - लक्ष्मीबाई जैसी वीर बालाओं के बारे में बताएँ।